HINDI

Maximum Marks: 80

Time Allowed: Three hours

*(Candidates are allowed **additional 15 minutes** for **only** reading the paper. They must **NOT** start writing during this time).*

*Answer **Questions 1, 2 and 3 in Section A** and **four** questions from **Section B** on **any three** out of the four prescribed textbooks.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A

LANGUAGE - 40 MARKS

Question 1 **[15]**

Write a composition in approximately 400 words in Hindi on any *one* of the topics given below.

किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए जो 400 शब्दों से कम न हो।

(i) आपको अपने एक करीबी मित्र के घर पर दस दिन रहने एवं उसके परिवार से बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। आपने उसके परिवार से क्या-क्या सीखा, उसका वर्णन करते हुए लिखिए कि आपको उस परिवार की कौन सी एक बात सबसे अच्छी लगी।

(ii) एक बार हवाई यात्रा के दौरान आपका सूटकेस किसी के साथ बदल गया। आपने अपने सूटकेस को वापस पाने के लिए क्या किया? आपको किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ा? इसका वर्णन कीजिए।

(iii) "जो घर के बड़े बुजुर्गों की परवाह नहीं करता, संस्कारों को ग्रहण करने में पिछड़ जाता है" - इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट करते हुए विश्व में बुजुर्गों की दशा तथा बढ़ते हुए वृद्धाश्रमों के बारे में बताइए।

(iv) "पढ़ाई के लिए स्मार्टफोन की महत्ता को देखते हुए विद्यालयों में विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन के इस्तेमाल की अनुमति दी जानी चाहिए" - इस विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(v) "जो व्यक्ति अपनी आकांक्षाओं का तीर जितना ऊँचा चलाता है, वह उतना ही सफल होता है" - इस कथन को किसी सफल व्यक्ति के जीवन का उदाहरण देते हुए लिखिए कि आप अपने जीवन में इस कथन की सार्थकता कैसे सिद्ध करेंगे?

(vi) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए:

(a) 'माता-पिता के प्यार की कोई तुलना नहीं की जा सकती'

(b) निम्नलिखित वाक्य से अन्त करते हुए एक कहानी लिखिए:
"....... और मैं अपनी बेवकूफी पर हँसे बिना न रह सका/सकी।"

Question 2

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow, using your own words in Hindi:

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हिंदी में दीजिए:

एक बार एक शिक्षक सम्पन्न परिवार से सम्बन्ध रखने वाले अपने एक युवा शिष्य के साथ कहीं निकले। उन्होंने देखा कि रास्ते में पुराने हो चुके एक जोड़ी जूते उतरे पड़े हैं, जो संभवतः पास के खेत में काम कर रहे किसी गरीब मजदूर के थे। उन्होंने सोचा कि वह मजदूर काम पर जाने के पहले जूते वहाँ उतार कर रख गया होगा और अपना काम ख़त्म कर घर वापस जाने के समय पहन कर चला जाएगा।

शिष्य को मजाक सूझा। उसने शिक्षक से कहा, "गुरु जी क्यों न हम ये जूते कहीं छिपा कर झाड़ियों के पीछे छिप जाएँ; जब वह मजदूर इन्हें यहाँ नहीं पाकर घबराएगा तो बड़ा मजा आएगा!"

शिक्षक गंभीरता से बोले, "किसी गरीब के साथ इस तरह का भद्दा मजाक करना ठीक नहीं है। हमें बेवजह किसी गरीब को सताना नहीं चाहिए। किसी की भावनाओं के साथ खिलवाड़

करना अच्छी बात नहीं। क्यों ना हम इन जूतों में कुछ सिक्के डाल दें और छिप कर देखें कि इसका मजदूर पर क्या प्रभाव पड़ता है!"

शिष्य ने ऐसा ही किया और दोनों पास की झाड़ियों में छिप गए। वे उस मजदूर की प्रतीक्षा करने लगे। वे यह देखना चाहते थे कि उन सिक्कों को पाकर मजदूर की क्या प्रतिक्रिया होगी?

मजदूर जल्द ही अपना काम ख़त्म कर जूतों की जगह पर आ गया। उसने जैसे ही एक पैर जूते में डाला उसे किसी कठोर चीज का आभास हुआ। उसने जल्दी से जूते हाथ में लिए और देखा कि अन्दर कुछ सिक्के पड़े थे। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ और वह सिक्के हाथ में लेकर बड़े गौर से उन्हें अलट - पलट कर देखने लगा। उसके चेहरे पर खुशी के साथ भय का भाव भी था।

वह सोचने लगा, "पता नहीं ये सिक्के किसके हैं? कहीं कोई मुझे चोरी के इल्ज़ाम में तो नहीं फँसाना चाहता?"

फिर वह इधर -उधर देखने लगा। जब दूर -दूर तक कोई नज़र नहीं आया, तो उसने सिक्के अपनी जेब में डाल लिए। अब उसने दूसरा जूता उठाया, उसमें भी सिक्के पड़े थे। मजदूर भावविभोर हो गया, उसकी आँखों में आँसू आ गए, उसने हाथ जोड़कर ऊपर देखते हुए कहा-

"हे भगवान्, समय पर प्राप्त इस सहायता के लिए उस अनजान सहायक का लाख -लाख धन्यवाद। उसकी सहायता और दयालुता के कारण आज मेरी बीमार पत्नी को दवा और भूखे बच्चों को रोटी मिल सकेगी।"

मजदूर की बातें सुन शिष्य की आँखें भर आयीं। शिक्षक ने शिष्य से कहा - "क्या तुम्हारी मजाक वाली बात की अपेक्षा जूते में सिक्का डालने से तुम्हें कम ख़ुशी मिली?"

शिष्य बोला, "आपने आज मुझे जो पाठ पढ़ाया है, उसे मैं जीवन भर नहीं भूलूँगा। आज मैं उन शब्दों का मतलब समझ गया हूँ जिन्हें मैं पहले कभी नहीं समझ पाया था कि लेने की अपेक्षा देना कहीं अधिक आनन्ददायी है। देने का आनन्द असीम है, देना देवत्व है। सचमुच किसी को कुछ देने से बढ़कर और कोई सुख नहीं है।"

हमें इस कहानी से शिक्षा लेते हुए अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार ज़रूर कुछ-न-कुछ दान देना चाहिए और ज़रुरत मंदों की हर संभव मदद करनी चाहिए! इससे हमें आत्मिक खुशी मिलती है। इससे मानवता विकसित होती है।

(i) शिक्षक अपने शिष्य के साथ कहाँ जा रहे थे? रास्ते में उन्होंने क्या देखा? उसे देखकर शिष्य के मन में क्या विचार आया? **[3]**

(ii) शिष्य की आँखें क्यों भर आयीं? इस घटना से उसने क्या सीखा? **[3]**

(iii) दान क्यों देना चाहिए एवं दान देने से हमें क्या मिलता है? **[3]**

(iv) "आज मेरी बीमार पत्नी को दवा और भूखे बच्चों को रोटी मिल सकेगी।"

(a) इस कथन से वक्ता के किस भाव का पता चलता है? **[1]**

(1) दयालुता का भाव

(2) मानवता का भाव

(3) कृतज्ञता का भाव

(4) दीनता का भाव

(b) वक्ता की आँखों में आँसू क्यों आए? **[1]**

(1) भावुकता के कारण

(2) भूख के कारण

(3) रोटी मिलने के कारण

(4) चोरी करने के कारण

(c) उसने हाथ जोड़कर किसका धन्यवाद किया? **[1]**

(1) भगवान का

(2) अनजान सहायक का

(3) शिक्षक का

(4) शिष्य का

(v) "आपने आज मुझे जो पाठ पढ़ाया है, उसे मैं जीवन भर नहीं भूलूँगा।"

(a) शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ से शिष्य का कौन सा दृष्टिकोण बदला? **[1]**

(1) देने से बढ़कर कोई सुख नहीं है।

(2) देने से बढ़कर कोई दुख नहीं।

(3) देने से बढ़कर कोई कष्ट नहीं है।

(4) छीनने से बढ़कर कोई सुख नहीं है।

(b) 'दृष्टिकोण' शब्द का अर्थ लिखिए। **[1]**

(1) नज़र

(2) नज़रिया

(3) देखना

(4) निगाहें

(c) "आपने आज मुझे जो पाठ पढ़ाया है, उसे मैं <u>जीवन भर</u> भूलूँगा नहीं।" **[1]**
रेखांकित शब्द के लिए एक शब्द लिखिए।

(1) आजन्म

(2) आजीवन

(3) आमरण

(4) आजिन्दगी

Question 3

(A) Correct the following sentences and rewrite as per the instructions given:

निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए:

(i) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए। **[1]**

यह सुनकर मैं विस्मय हुआ।

(ii) रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए। **[1]**

गुलाब के _________ पर मैंने कई फूल देखे।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। **[1]**

(a) यह तो वही बात हुई 'जैसी लाठी वैसी भैंस'।

(b) यह तो वही बात हुई 'जिसकी लाठी उसकी भैंस'।

(c) यह तो वही बात हुई 'जिसकी भैंस उसकी लाठी'।

(d) यह तो वही बात हुई 'जिसका लाठी उसका भैंस'।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। **[1]**

(a) आपका एक-एक शब्द प्रभावशाली है।

(b) इस वर्ष गेहूँ की फ़सल अच्छी हुई।

(c) ऐतिहासिक घटनाएँ अपने पीछे अपनी यादें छोड़ जाती हैं।

(d) आपसे मिलकर मुझे अति प्रसन्नता हुई।

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के लिए सही शब्द का चयन कीजिए। **[1]**

प्रधानाचार्य ने बच्चों को प्रशस्ति पत्र <u>अर्पित</u> किया।

(a) समर्पित

(b) प्रत्यापित

(c) सत्यापित

(d) प्रदान

(B) Use the Idioms in the sentences as per the instructions given:

निर्देशानुसार मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

(i) निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाइए। **[1]**

हाथ-पाँव फूल जाना।

(ii) निम्नलिखित मुहावरे को शुद्ध कीजिए। **[1]**

अंग-अंग गीला होना।

(iii) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए । **[1]**

रमा ने अपनी पढ़ाई पूरी करते ही, नौकरी के लिए ___________ शुरू कर दिया।

(a) घास काटना।

(b) दौड़-धूप करना।

(c) मुँह की खाना।

(d) नाकों चने चबाना।

(iv) निम्नलिखित वाक्य के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। **[1]**

सोहन के सामने अचानक एक शेर आ गया जिसे देखकर वह बहुत भयभीत हो गया।

(a) खून सूख जाना।

(b) खून में उबाल आना।

(c) खून ठण्डा पड़ जाना।

(d) खून सफेद होना।

(v) निम्नलिखित मुहावरे के सही अर्थ का चयन कीजिए। **[1]**

दाल न गलना।

(a) किसी काम में विघ्न आना।

(b) दाल न पकना।

(c) काम खराब होना।

(d) युक्ति सफल न होना।

SECTION B
LITERATURE - 40 MARKS

*Answer **four** questions from this section on **any three** out of the four prescribed textbooks.*

*पाठ्यक्रम में निर्धारित चार पुस्तकों में से किन्हीं **तीन पुस्तकों** के **चार** प्रश्नों के उत्तर इस भाग से दीजिए ।*

गद्य संकलन (Gadya Sankalan)

Question 4

"खबरदार, जो उसे छुआ। नीचे उतरो, नहीं तो तुम्हारा सिर चूर किए देता हूँ। वह मेरी शरण आया था।"

(i) उक्त पंक्तियों से सम्बन्धित पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। **[1]**

(ii) शरण माँगने वाला व्यक्ति कौन था? उसे शरण क्यों चाहिए थी? समझाकर लिखिए। **[2]**

(iii) यहाँ किसका सिर चूर करने की बात हो रही है और क्यों? क्या वक्ता ने उसका सिर चूर किया? समझाकर लिखिए। **[2]**

(iv) पाठ के आधार पर भारतीय संस्कृति से कोई एक उदाहरण देकर शरणागत वत्सलता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **[5]**

Question 5

'सती' कहानी में लेखिका शिवानी ने मदालसा के माध्यम से एक ऐसी स्त्री का वर्णन किया है जो अपनी छल-फरेब की प्रकृति से मानवता को शर्मसार करती है।क्या आप इस कथन से सहमत हैं? कहानी के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। **[10]**

Question 6

'संस्कृति क्या है?' पाठ में लेखक ने किन लक्षणों का उल्लेख कर संस्कृति को समझाने का प्रयत्न किया है? समझाकर लिखिए तथा यह भी बताइए कि किस दृष्टिकोण से भारत और भारतीय संस्कृति महान है? **[10]**

काव्य मंजरी (Kavya Manjari)

Question 7

"भाग्यवाद आवरण पाप का और शस्त्र शोषण का,
जिससे रखता दबा एक जन से भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से,यदि विधि-अंक प्रबल है,
पद पर क्यों देती न स्वयं वसुधा निज रतन उगल है?"

(i) भाग्यवाद को पाप का आवरण क्यों कहा गया है? **[1]**

(ii) कवि ने किसे शोषण का शस्त्र कहा है और क्यों? समझाकर लिखिए। **[2]**

(iii) आप 'विधि-अंक' और 'पुरूषार्थ' में से किसे प्रबल मानते हैं? उदाहरण द्वारा अपनी बात को पुष्ट कीजिए। **[2]**

(iv) 'यह संसार उद्यमी लोगों के बल पर ही चलता है, और सुख पाता है।' इस पंक्ति की तर्क सहित व्याख्या कीजिए। **[5]**

Question 8

‘कबीर की वाणी अज्ञानता के अंधकार से निकाल कर ज्ञान के सच्चे प्रकाश की ओर ले जाती है।’ 'साखी' पाठ के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए। **[10]**

Question 9

'नदी के द्वीप' एक प्रतीकात्मक कविता है। कविता के प्रतीकों को स्पष्ट करते हुए उनके पारस्परिक सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए। आज के सन्दर्भ में कविता की प्रासंगिकता पर अपने विचार लिखिए। **[10]**

सारा आकाश (Sara Aakash)

Question 10

"क्यों रे समर, तूने तो शायद दस तारीख से काम करना शुरू किया था?"

(i) उक्त कथन का वक्ता कौन है?उसने श्रोता से यह प्रश्न क्यों किया था? **[1]**

(ii) श्रोता ने इसका क्या जवाब दिया? श्रोता की बातें सुनकर वक्ता ने किस प्रकार अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की? **[2]**

(iii) क्या आपके विचार से वक्ता की प्रतिक्रिया उचित थी? यदि आप वक्ता की जगह होते, तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होती? तर्क सहित उत्तर दीजिए। **[2]**

(iv) उस वक्त श्रोता की मनःस्थिति कैसी थी? उसकी इस मनःस्थिति का क्या कारण था?क्या वह परिस्थिति जन्य थी या उसका स्वभाव ही ऐसा था? समझाकर उत्तर लिखिए। **[5]**

Question 11

राजेन्द्र यादव जी ने अपने विचारों तथा मान्यताओं को वाणी देने के लिए 'सारा आकाश' उपन्यास में जिस पात्र का सृजन किया है, वे हैं शिरीष भाई साहब। उक्त कथन को उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करते हुए शिरीष भाई साहब का चरित्र चित्रण कीजिए। **[10]**

Question 12

समर ने प्रभा की चूड़ियाँ क्यों तोड़ीं? उस समय उसकी मनोदशा कैसी थी? समर के इस कृत्य के पीछे उसकी विकृत मानसिकता थी या कोई और कारण था? अपने विचार प्रकट कीजिए। **[10]**

आषाढ़ का एक दिन (Ashad Ka Ek Din)

Question 13

"मैं जानती हूँ तुम पर आज अपना अधिकार भी नहीं है। किन्तु... इतना बड़ा अपवाद मुझसे नहीं सहा जाता है।"

(i) उक्त कथन किसने, किससे कहा? दोनों के मध्य क्या रिश्ता है? **[1]**

(ii) वक्ता यहाँ किस अपवाद की बात कर रही है? वह इसे अपवाद क्यों कहती है? तर्क सहित उत्तर दीजिए। **[2]**

(iii) वक्ता को अपने घर पर किसका आना अच्छा नहीं लगता था और क्यों? क्या घर आए व्यक्ति के प्रति उसका यह व्यवहार उचित था? अपने विचार लिखिए। **[2]**

(iv) 'वक्ता भावुक होने के साथ-साथ एक समझदार और यथार्थवादी स्त्री है' - इस कथन की पुष्टि सन्दर्भ के आधार पर कीजिए। **[5]**

Question 14

'मोहन राकेश' ने अपने नाटक का शीर्षक 'आषाढ़ का एक दिन' क्यों रखा? शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करते हुए बताइए कि इस नाटक का क्या कोई और शीर्षक रखा जा सकता था?यदि हाँ, तो तर्क सहित प्रमाणित कीजिए। **[10]**

Question 15

"आपके कारण मैं थकूँगा? मुझे आप दिन-भर पर्वत-शिखर से खाई में और खाई से पर्वत-शिखर पर जाने को कहती रहें, तो भी मैं नहीं थकूँगा। मातुल का शरीर लोहे का बना है, लोहे का।" उक्त कथन के आधार पर मातुल का चरित्र चित्रण कीजिए और यह भी स्पष्ट कीजिए कि मातुल की इस नाटक में क्या भूमिका है? **[10]**